



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 30, 1996 (अग्रहायण 9, 1918)
No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 30, 1996 (AGRAHAYANA 9, 1918)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जितने क्रिया अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निहायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं।]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

सरकारी और बैंक लेखा विभाग

मुम्बई, दिनांक 30 नवम्बर 1996

भारत के राजपत्र में 20 अप्रैल, 1946 को प्रकाशित तथा 29 अप्रैल 1954 की अधिसूचना सं० एफ—(8)70/बी/52 और भारत के दिनांक 21 फरवरी 1990 के असाधारण राजपत्र सं० 67 के अन्तर्गत यथा संशोधित लोक श्रृण अधिनियम 1944 की धारा 28 के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के नियम 18 के अनुसरण में 30 सितम्बर 1996 को समाप्त माह के लिए निम्नलिखित सूची खो गई आदि ऐसी प्रतिभूतियों के बारे में एतद्वारा विज्ञापित की जाती है, जिसके सम्बन्ध में इस बात का विश्वास करने के लिए प्रथम दृष्टया आधार मौजूद है कि प्रतिभूतियां खो गई हैं और आवेदकों का दावा स्वीकृत है। नीचे लिखे गए संबंधित व्यक्तियों में इन सभी व्यक्ति जिसका इन प्रतिभूतियों पर किसी प्रकार का दावा हो, तत्काल मुक्त लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, सरकारी और बैंक लेखा विभाग, केन्द्रीय श्रृण प्रभाग, मुम्बई को सूचित करें।

सूची दो भागों विभाजित की गई है। भाग "क" में अभी पहली बार विज्ञापित प्रतिभूतियाँ शामिल की गई हैं और भाग "ख" में पूर्व विज्ञापित प्रतिभूतियों की सूची की गई है।

सूची "क"

1	2	3	4	5	6
प्रतिभूतियों का क्रमांक	मूल्य रु०/- ग्राम	निम्न नाम से जारी की गई	व्याज धारित किए जाने की तारीख	डिस्कॉट जारी करने/ भुगतान मूल्य की अवधि के लिए आवेदन (रु०) का/के नाम	जारी किए गए आदेश की सं० मथा तारीख

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

मद्रास सकल

7 प्रतिशत भारत सरकार ऋण 1994

एमएम-000085 18,000	भारतीय रिजर्व बैंक	12-10-82		पेरिस कन्वेंशनरो लि० गैर प्रभावित स्टाफ अधिक बलोअर रोड कर्मचारियों की उपदान निधि	जो०एम० डायरी सं० 68 तारीख 29-8-96 (एलएन-2641)
-----------------------	--------------------	----------	--	--	---

कलकत्ता सकल

1 प्रतिशत ऋण 1979

एम-003761	10,000	इंस्टीज नर्थ बुक जूट क० लि० कर्मचारी भविष्य निधि	प्रदा किया गया 38वीं तक का अर्धवार्षिक व्याज	इंस्टीज नर्थ बुक जूट क० लि० कर्मचारी भविष्य निधि	फाइल सं० आई०-2513 दिनांक 23-8-96 का महाप्रबन्धक का आदेश। देखिए दिनांक 23-8-96 का डीवाई सं० एलसीओ/ 36/96-97
-----------	--------	---	--	---	---

9 प्रतिशत राहत बांड, 1993

सी०-000521	1,25,000	ऊषा सोम व रंजीत सोम	प्रदा किया गया 30-8-96 तक का व्याज	ऊषा सोम व रंजीत सोम	फाइल सं० आई०-2517 दिनांक 2-8-96 का महा- प्रबन्धक का आदेश देखिए दि० 3-8-96 का डीवाई सं० एलसीओ- 19/96-97
------------	----------	---------------------	--	---------------------	--

4 1/2 प्रतिशत ऋण 1985

सी०-001214 सं सी०-001252	25,000 रु० प्रत्येक	इंस्टीज नर्थ बुक जूट क० लि०, कर्मचारी भविष्य निधि	प्रदा किया गया 32वीं तक का अर्धवार्षिक व्याज (11-7-78) व्याज	इंस्टीज नर्थ बुक जूट क० लि०, कर्मचारी भविष्य निधि	फाइल सं० आई०-2513 दिनांक 23-8-96 का महाप्रबन्धक का आदेश देखिए दिनांक 23-8-96 का डीवाई सं० एलसीओ- 36/96-97
सीए-001255	23,400	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
सीए-001239	20,000	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-

4 प्रतिशत ऋण 1981

सीए-001908	15,000	-वही-	प्रदा किया गया 34वीं तक का अर्धवार्षिक (23-7-78) व्याज	-वही-	-वही-
------------	--------	-------	--	-------	-------

भायखला सकल

9 प्रतिशत राहत पत्र 1987

बीसी-12120	30,000	1) कमला शantilाल जीहरी 2) अनुप बी० मेहता	17-7-91	1) कमला शantilाल जीहरी 2) अनुप बी० मेहता	00-25,00 1-10-1996
------------	--------	---	---------	---	-----------------------

सूची "ख"

प्रतिभूतियों का क्रमांक	मूल्य रु०/ ग्राम	निम्न नाम में जारी की गई	व्याज धारित किए जाने की तारीख दावेदार (रों) का/के नाम	डूप्सिकेट जारी करने/ भुगतान मूल्य की अदायगी के लिए	जारी किए गए आदेश की सं० तथा तारीख	लोक अर्थ अखिलियम 1944 के अनुसंगत सूची के प्रकाशन की तारीख जिसमें प्रतिभूति पहली बार प्रकाशित की गई थी
1	2	3	4	5	6	7

गोल्ड बांड 1998 (सम्बर्द्ध, कोर्टे)

डीआई-एमएम 000026	505 ग्राम स्वर्ण	मनीष भारद्वाज और सुमन लता	17-5-93 प्रथिम समाप्ति पर	मनीष भारद्वाज और सुमन लता	सामान्य सं० 20-4-2022 दिनांक 24-8-96 के मद्रा प्रबन्धक के आदेश तथा सीओ डायरी सं० 121 दिनांक 24-8-96
---------------------	------------------	------------------------------	------------------------------	------------------------------	---

भायखला सक्ति

प्रमाणित राहत पत्र 1987

बीसी-10240	रु० 100000	1) निरुकाण्यापुर बेंकटरामा बालन 2) सीता बालन	24-7-90	1) निरुकाण्यापुर बेंकटरामा बालन 2) सीता बालन	6-25-13 वि० 30-8-96
------------	------------	--	---------	--	------------------------

कलकत्ता सक्ति

प्रमाणित परिवर्तन कृण 1946

सीए-377529	रु० 2000	प्रधान कुमार घोष (मृत)	89वीं अर्धवार्षिक व्याज प्रकाश किया गया	नरुण कुमार घोष	दिनांक 20-7-96 के डीआई सं० एलसीओ- 9/96-97 के द्वारा दिनांक 20-7-96 के मद्रा प्रबन्धक के आदेश फाइल सं० 12516
सी-377530	5000	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
सीए-377531	1000	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-

नई दिल्ली सक्ति

राष्ट्रीय सुरक्षा स्वर्ण बांड 1980 'अ' श्रेणी

डीएच-009881	स्वर्ण 58 ग्राम	चनन लाल	27-10-67	राजकुमार अग्रवाल	24-6-96	सं० 20/80/95-96
		राष्ट्रीय सुरक्षा बांड	1980 "ब" श्रेणी			
डीएच-002774	3 ग्राम स्वर्ण	मुदर्शन अरोड़ा	26-10-66	जोगिन्दर लाल कपूर	-वही-	सं० 6/95

बी० डी० चौहान,
कृते मुख्य महाप्रबन्धक

स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र

प्रधान कार्यालय

भावनगर, दिनांक 26 अगस्त 1996

क्रमांक 1/96-समन्वयगी बैंक सामान्य विनियमन 1959, के विनियम 55 (1) के अनुसरण में स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र के निदेशक मंडल ने बैंक की अधि-सूचना दिनांक 21-12-1973 क्रमांक 60/73 तथा अधिसूचना दिनांक 15-6-1985 क्रमांक 3/85 के आशिक संशोधन में यह निर्णय लिया है कि बैंक के विशेष सहायकों को बैंक की ओर से नीचे दर्शितानुसार हस्ताक्षर अधिकारों का पृथक् प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत किया जाए:—

(क) रु० 20,000 तक के नकद बैंक तथा रु० 50,000 सहित और तक के समागोचन एवं अंतरण बैंक, वाउचर आदि '(चाहे जमा श्रे या उधार) स्वतंत्र रूप से पारित करना।

सीताराम मुति
कृते प्रबंधक निदेशक

क्रमांक 2/96-समन्वयगी बैंक सामान्य विनियमन, 1959 के विनियम 55 (1) के अनुसरण में स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र के निदेशक मंडल ने यह निर्णय लिया है कि बैंक के प्रधान निधिकों को बैंक की ओर से नीचे दर्शितानुसार हस्ताक्षर अधिकारों का पृथक् प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत किया जाए:—

(क) रु० 7000 सहित और तक के नकद बैंक, वाउचर आदि तथा रु० 15,000 सहित और तक के समागोचन एवं अंतरण बैंक वाउचर आदि स्वतंत्र रूप से पारित करना।

सीताराम मुति
कृते प्रबंध निदेशक

देना बैंक

प्रधान कार्यालय, वार्षिक विभाग

मुम्बई, 400005, दिनांक 1 नवम्बर 1996

सं० आई आर/मणोघन 3/96-देना बैंक का निदेशक मंडल बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अन्तरण) अधिनियम 1970 (1970 का 3) की

धारा 12 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 19 द्वारा प्रत्यायोजित अधि-कारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केन्द्रीय सरकार की पूर्ण स्वीकृति से एतद्वारा देना बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) विनियमन 1976 में संशोधन करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाता है:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1. इन विनियमों को बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) (संशोधन) विनियमन 1996 कहा जा सकेगा।

2. ये विनियमन सरकारी गजट में अपने प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होंगे।

2. देना बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) विनियमन 1996 (जिसे इसके बाद प्रधान विनियमन कहा गया है) के विनियम 4 में 'सामान्य षड्' शीर्षक के अधीन अनुच्छेद (ख) के उपरान्त निम्न-लिखित परिच्छेद जोड़ा जाएगा।

(क) "(क) अधिकतम 3 वर्ष की अवधि के लिए किसी काल सेतुमान में निम्नतर क्रम पर प्रवृत्त किया जाना, जिसका न तो संशयी प्रभाव पड़ेगा और न ही कर्मचारी के पेंशन पर ही कोई प्रतिकूल प्रसर होगा।

(ख) "(गंभीर स्वरूप वाले षड्" शीर्षक के अधीन अनुच्छेद (ड) (च), (छ) एवं (ज) को क्रमशः (छ) (ज) एवं (ट) के रूप में क्रमांकित किया जाएगा।

(ग) अनुच्छेद (घ) को क्रमांकित किए जाने से पूर्व निम्नलिखित अनुच्छेद जोड़ा जाएगा:

(च) उपर्युक्त (ड) में किए गए प्रावधान को छोड़कर, निर्धारित अवधि के लिए वेतन समय मान के बिचले प्रक्रम में कमी इन प्रतिरिक्त नियमों के साथ ही क्या ऐसी कमी की अवधि के दौरान अधिकारी वेतनबृद्धियां प्राप्त करेगा या नहीं और क्या ऐसी कमी की अवधि समाप्ति पर उसकी भावी वेतन बृद्धियों को स्थगित करने का प्रभाव पड़ेगा या नहीं।

(घ) पुनर्क्रमांकित अनुच्छेद (छ) में निम्नलिखित रखा जा सकेगा:

"(छ) निचले प्रक्रम या पद में कमी।"

3 प्रधान विनियमन के विनियम 6 के उप विनियम (1) में विनियम 4 के अनुच्छेद (क) (च) (छ) एवं (ज) शब्दों कोष्ठकों एवं संख्याओं के स्थान पर विनियम 4 के अनुच्छेद (च) (छ) एवं (घ) शब्द कोष्ठक एवं संख्याएं पड़ी जाएं।

4 प्रधान विनियमन के विनियम 8 के उप विनियम (1) में विनियम 4 के अनुच्छेद "क" से "ब" शब्दों कोष्ठकों एवं संख्याओं के स्थान पर विनियम 4 के अनुच्छेद "क" से "ड" शब्द कोष्ठक एवं संख्याएं पड़ी जाएं।

5 प्रधान विनियमन के विनियम 17 के उप विनियम (11) के प्रथम परन्तुक में विनियम 4 के अनुच्छेद (क) (च) (छ) एवं (ज) शब्दों कोष्ठकों एवं संख्याओं के स्थान पर विनियम 4 के अनुच्छेद (च) (छ) (ज) (घ) एवं (ट) शब्द कोष्ठक एवं संख्याएं पड़ी जाएं।

6 प्रधान विनियमन के विनियम 18 के प्रथम परन्तुक में विनियम 4 के अनुच्छेद (क) (च) (छ) (ज) शब्दों कोष्ठकों एवं संख्याओं के स्थान पर विनियम 4 के अनुच्छेद (च) (छ) (ज) एवं (ट) शब्द, कोष्ठक एवं संख्याएं पड़ी जाएं।

टिप्पणी: देना बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) विनियमन 1976 में पूर्व संशोधन निम्नलिखित विवरणानुसार किए गए भारत के राजपत्र की धारा 4 भाग III में प्रकाशित किए गए थे।

क्रम सं०	अधिसूचना सं०	दिनांक
1	12	25-3-89
कुमार हाथु		
उप महाप्रबन्धक (कार्मिक)		

ओरियण्टल बैंक आफ कामर्स

कार्मिक विभाग

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली-110001 दिनांक 8 नवम्बर 1996

सं० 3921—बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का प्रारंभ और अंतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) की धारा 12 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ओरियण्टल बैंक आफ कामर्स का निदेशक सम्बन्ध भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श और केन्द्रीय सरकार की पूर्ण मंजूरी से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

(1) इन विनियमों का नाम ओरियण्टल बैंक आफ कामर्स (अधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम 1996 होगा।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. ओरियण्टल बैंक आफ कामर्स (अधिकारी) सेवा विनियम 1982 के विनियम 19 के उप विनियम (1) के पहले परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए; अर्थात्:

"परन्तुक बैंक अपने विवेक से आगे उप विनियम (2) में की गई व्यवस्था के अनुसार विशेष समिति/विशेष समितियों द्वारा पुनरीक्षण के पश्चात् यदि उसका मत हो कि ऐसा करना लोकहित में है, किसी अधिकारी कर्मचारी को 55 वर्ष की आयु पूरी करने पर या उसके बाद किसी भी समय अथवा अधिकारी कर्मचारी के रूप में या अथवा उसके 30 वर्ष की सेवा पूरी करने पर या उसके बाद किसी भी समय, इनमें से जो भी पहले हो, सेवा-निवृत्त कर सकता है।"

पी० के० शर्मा
महाप्रबन्धक (कार्मिक)

श्रम मंत्रालय

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(केन्द्रीय कार्यालय)

नई दिल्ली-110066, दिनांक 14 नवम्बर 1996

सं० 2/1959/डी. एल. भाई/एकप्रम/89/भाग-1/1630—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपग्रन्थ अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूँकि मैं, आर. एस. कार्मिक, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवधिगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम का सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निधिप सहस्रवर्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा कम संज्ञालय भारत सरकार/केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अन्तर्गण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते

हुए मैं, आर. एस. वॉशिक उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अवधि के लिए छुट्ट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोडसं.	भारत सरकार द्वारा की गई अधिसूचनासं. को दिनांक	छूट की प्रमाणित तिथि	छूट की प्रमाणी तिथि	क्र.सं. नि.आ. फाइलसं.
1.	मै. खानका वेस्टीसाल्स लि., बिसेज अट्टा सोहना मनकोला रोड, जिला गुरुग्राम	एचआर/4211 एचआर/10832	2/1959/बी.एल.आई./ एकजम 89/पार्ट-1 दिनांक 19-2-92	31-8-93	1-9-93 से 31-8-96	2/4076/92/ बी.एल.आई.
2.	मै. एस. एस. टी. लि. पिंजौर ग्रामाला, हरियाणा	पी.एस/3429 एचआर/1061	2/1959/बी.एल.आई./ एकजम/89/पार्ट-1 दिनांक 27-2-91	28-2-93	1-3-93 से 29-2-96	2/449/80 बी.एल.आई.
3.	मै. हरियाणा स्टील ग्लास लि., बिसेज सेबसी, पी.एस. राय सोनीपत-131029	एचआर/2058 पी.एस/6129	2/1959/बी.एल.आई./ एकजम 89/पार्ट 1, दिनांक 26-12-84	25-12-87	26-12-87 से 25-12-90 26-12-90 से 25-12-93	2/1098/84 बी.एल.आई.
4.	मै. जालारपुर इण्डस्ट्रीज लि., यमुना नगर, हरियाणा	एचआर/12	2/1959/बी.एल.आई./ एकजम पार्ट-1, दिनांक 27-3-92	28-2-93	1-3-93 से 28-2-96	2/1291/89 बी.एल.आई.
5.	मै. रबर मार. ई. कलेम कम्पनी भाकड़िया लि. जी. टी. रोड, बल्लभगढ़-131021, सोनीपत हरियाणा	एचआर/854	2/1959/बी.एल.आई./ एकजम पार्ट-1, दिनांक 7-3-94	29-2-92	1-3-92 से 29-2-96	2/5256/94 बी.एल.आई.

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिस इसमें इसके पश्चात् निर्वाचक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे संज्ञा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. निर्वाचक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संज्ञाप करेगा जो केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्डक के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत संज्ञाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवय, संज्ञाओं का अन्तर्गण निरीक्षण प्रभार का संवय आदि भी हैं, इन बातों सभी व्यक्तों का जहाँ नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तथा उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना के पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित

किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुक्रमे हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी साल के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिसों/नाम-निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संवय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिमय अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी का व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्ति की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्दिशितों या

विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निर्दिशितों/विधिक वारिसों का बीमाकृत राशि संदाय तत्परता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चन करेगा।

आर. एस. कनिंगहम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
DEPARTMENT OF GOVERNMENT AND BANK ACCOUNTS.

Mumbai, the 30th November, 1996

In pursuance of Rule 18 of the Rules made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act, 1944 and published in the Gazette of the 29th April, 1946 (as amended under the Notification No. F(8)/70-B/52 dated the 29th April, 1954 and the Notification in extra ordinary Gazette No. 67 dated 21st February 1990) the following list for the month ended SEPTEMBER 1996 is hereby advertised of securities lost etc. In respect of which prima facie ground exists for believing that the securities have been lost and that the claim of applicant is just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should communicate immediately with the Chief General Manager, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Government and Bank Accounts, Central Debt Division, Mumbai.

The list has been divided into two parts; List 'A' being securities now advertised for the first time and list 'B' the list of securities previously advertised.

LIST 'A'

No. of Security	Value in Rs. Grams	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate and or payment of discharge value	No. and date of order issued
1	2	3	4	5	6
7% Government of India Loan 1994 (Madras Circle)					
MS-000085	Rs. 16,000 -	Reserve Bank of India	12-10-1982	Pattys Confectionary Ltd. Non-covenanted Staff Labour & Lower Grade Employees Gratuity Fund	GM Diary No. 68 dated 29-8-96 (LN2641)
4% Loan 1979 (Calcutta Circle)					
CA-003761	Rs. 10,000 -	Trustees, North Brook Jute Co. Ltd. Employees Provident Fund	Interest upto 38 th Half year paid	Trustees, North Brook Jute Co. Ltd. Employees Provident Fund	File No. 1-2513, General Manager's Order dt. 23-8-96 vide Dy. No. L.C.O. 36/96-97 dt. 23-8-96
9% Relief Bond 1993					
CA-00521 (N/c)	Rs. 1,25,000 -	Usha Shome & Ranjit Shome	Interest upto paid 30-6-95	Usha Shome & Ranjit Shome	File No. 1-2571 Genra Manager's order dt. 2-8-96 vide Dy. No. L.C.O. 19-96-97 dt. 3-8-96
4 1/2% Loan 1985 (Calcutta Circle)					
CA-001244 to CA-001252	Rs. 25,000 - each	Trustees, North Brook Jute Co. Ltd. Employees Provident Fund	Interest upto 32 nd Half year (11-7-78) paid	Trustees, North Brook Jute Co Ltd Employees Provident Fund	File No. 1-2513, General Manager's Order dt 23-8-96 vide Dy. No. L.C.O. 36/96-97 dt. 23-8-96
CA 001255	Rs. 23,400 -	Do.	Do.	Do.	Do.
CA-001239	Rs. 20,000 -	Do.	Do.	Do.	Do.

1	2	3	4	5	6	
4% Loan 1981						
CA-001908	Rs. 15,000/-	Trustees, North Brook Jute Co. Ltd. Employees Provident Fund	Interest upto 34th Half year (23-7-78) paid	Trustees, North Brook Jute Co. Ltd. Employees Provident Fund	File No. 1-2513 General Manager's Order dt. 23-8-96 vide Dy. No L.C.O. 36/96-97 dt. 23-8-96	
9% Relief Bonds, 1987 (BYCULLA CIRCLE)						
BC-12120	Rs. 30,000/-	1. Kamala Shantilal Jhaveri 2. Anoop V. Mehta	17-7-91	1. Kamala Shantilal Jhaveri 2. Anoop V. Mehta	06-25-06 1-10-96	
LIST 'B'						
No. of Security	Value Rs./Gms.	In whose name Issued	From what date bearing interest	Name's of the claimants for issue of duplicate/payment of discharge value	No. and date of order issued	Date of publication under P.D. Act. 9 of 1944 of list in which the security was first published
1	2	3	4	5	6	7
GOLD BONDS 1998 (MUMBAI CIRCLE)						
37-3A M-000026	505 gms.	Munish Bhardwaj and Surman Lata	17-5-1993 (on maturity only)	Munish Bhardwaj and Surman Lata	Case No. 20-04-2122 General Manager's Order dt. 24-8-1996 C.O. Diary No 124 Dt. 24-8-1996	
9% Relief Bonds 1987 (BYCULLA CIRCLE)						
BC-10240	Rs. 100,000/-	1. Tirukkarugavur Venkatarama Balan 2. Sita Balan	24-7-90	1. Tirukkarugavur Venkatarama Balan 2. Sita Balan	06-25-13 dt. 30-8-96	
3% Conversion Loan 1946 (Calcutta C.						
CA-377529	Rs. 2,000/-	Provat Kumar Ghosh (deceased)	69th Half year interest paid	Tarun Kumar Gosh	File No. 1-2516 General Manager's Order dt. 20-7-96 vide Dy No. L.C.O. 9/96-97 dt. 20-7-96	
CA-377530	Rs. 5,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.	
CA-377531	Rs. 1,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.	
National Defence Gold Bond 1980 'A' Series (New Delhi Circle)						
D I-009881	58 gms of gold	Channan Lal	27-10-67	Rajkumar Agarwal	LN/20/80/95-96 dated 24-6-96	
National Defence Gold Bond 1980 "B" Series						
D I-002774	3 gms. of gold	S. Subashan Arora	25-10-66	Joginder Lal Kapur	LN/6/95 dt. 24-6-96	

(V.D. Chouhan)
P. Chief Gen. Manager

STATE BANK OF SAURASHTRA

HEAD OFFICE

Bhavnagar, the 26th August 1996

severally the signing powers on behalf of the Bank noted as under :—

- (a) Passing independently cash cheques upto Rs. 20,000/- and clearing and transfer cheques, vouchers, etc., (whether credits or debits) upto and including of Rs. 50,000/-.

No. 1/96.—In pursuance of Regulation 55(1) of the Subsidiary Bank's General Regulations, 1959, the Board of Directors of the State Bank of Saurashtra, in partial modification of the Bank's Notification No. 60/73 dated the 21-12-1973 and 3/85 dated 15-6-1985, have decided that the Special Assistants of the Bank be authorised to exercise

Sd./- ILLEGIBLE
For Managing Director

No. 2/96.—In pursuance of regulation 55(1) of the Subsidiary Banks General regulations, 1959 the Board of Directors of the State Bank of Saurashtra, have decided that the Head Clerks of the Bank be authorised to exercise severally the signing powers on behalf of the Bank noted as under :—

- (a) Passing independently cash cheques, vouchers etc., upto and including Rs. 7000/- and passing clearing and transfer cheques, vouchers etc., upto and including of Rs. 15,000/-.

Sd/- ILI EGBLE

For Managing Director

DENA BANK
HEAD OFFICE

Mumbai-400 005, the 1st November 1996

No. 1R/Amend-3/96.—In exercise of the powers conferred by Section 19 read with sub-section (2) of Section 12 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) the Board of Directors of DENA BANK in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations to amend further the Dena Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) Regulations, 1976 namely :—

1. Short Title and Commencement :

- (1) These Regulations may be called Dena Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) (Amendment) Regulations, 1996.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Regulations 4 of the Dena Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) Regulations, 1976 (hereinafter called as Principal Regulations) under the heading "Minor Penalties" after Clause (d), the following clause shall be inserted, namely :—

- (a) "(e) reduction to a lower stage in the time scale of pay for a period not exceeding 3 years, without cumulative effect and not adversely affecting his pension,"
- (b) under the heading "Major Penalties" the Clauses (e), (f), (g) and (h) shall be re-numbered as Clause (g), (h), (i) and (j);
- (c) Before the re-numbered Clause (g) the following shall be inserted namely :

"(f) save as provided for in (e) after reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period, with further directions as to whether or not the officer will earn increments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of his pay".

- (d) For the re-numbered Clause (g) the following may be substituted namely :—

"(g) reduction to a lower grade or post."

3. In Sub-regulation (1) of Regulation 6 of the Principal Regulations, for the words, brackets and figures "clauses (e), (f), (g) and (h) of Regulation 4" the words, brackets and figures "clauses (f), (g), (h), (i) and (j) of Regulation 4" may be substituted.

4. In sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Principal Regulations for the words, brackets and figures "clauses (a) to (d) of Regulation 4", the words, brackets and figures "clauses (a) to (e) of Regulation 4" may be substituted.

5. In the first proviso to sub-regulation (ii) of Regulation 17 of Principal Regulations, for the words, brackets and figures "clauses (e), (f), (g) and (h) of Regulation 4" the

words, brackets and figures "clauses (f), (g), (h), (i) and (j) of Regulation 4" may be substituted.

6. In the first proviso to Regulation 18 of Principal Regulations for the words, brackets and figures "clauses (e), (f), (g) or (h) of Regulation 4" the words, brackets and figures "clauses (f), (g), (h), (i) or (j) of Regulation 4" may be substituted.

Note :—Earlier amendment of Dena Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) Regulations, 1976 were published in Part III Section 4 of the Gazette of India as per the details given below :

Sl. No., Notification No. & Date

1. 12 25-3-1989

KUMAR SHAH,
Dy. Gen. Manager (Personnel)

ORIENTAL BANK OF COMMERCE
PERSONNEL DEPARTMENT
HEAD OFFICE,

New Delhi-110 001, the 5th November 1996

No. 3921.—In exercise of the powers conferred by Section 19 read with Sub-section (2) of Section 12 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980) the Board of Directors of Oriental Bank of Commerce in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations, namely :—

1. Short Title and Commencement :

- (1) These Regulations may be called Oriental Bank of Commerce (Officers') Service (Amendment) Regulations, 1996.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Oriental Bank of Commerce (Officers') Service Regulations, 1982 for first proviso to sub-regulation (1) of regulation 19, the following shall be substituted, namely :—

"Provided that the Bank may, at its discretion, on review by the Special Committee/Special Committees as provided hereinafter in sub-regulation (2) retire, if it is of the opinion that it is in the public interest, an officer employee on or at any time after the completion of 55 years of age or on or at any time after the completion of 30 years of total service as an officer employee or otherwise, whichever is earlier".

P. K. SHARMA,
General Manager (Per.)

MINISTRY OF LABOUR
EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION
(CENTRAL OFFICE)

New Delhi-110015, the 14th November 1996

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pl.I/1630.—WHEREAS the employers of the estts. mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

And Whereas, I. R. S. KAUSHIK, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C. P. F. C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to

the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, R. S. KAUSHIK, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sr. No.	Name & Address of the estts.	Code No.	No. & date of Govt. notification vide which expiry which exemption was granted/extended	Date of expiry	Period of exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Dhanka Pesticides Ltd., Village Atta Sohna Mankola Road, Distt. Gurgaon	HR/4211 HR/10832	2/1959/DLI/Exem./ 89/pt. I/dt. 19-2-92	31-8-93	01-09-93 to 31-08-96	2/4076-92, I II
2.	M/s. H.M.T. Ltd., Piprole Ambala, Haryana	PN/3429 HR/1061	2/1959/DLI/Exem. 89/pt. I/dt. 27-2-91	28-2-93	01-03-93 to 29-2-96	2/449/80/DLI
3.	M/s. Haryana Sheet Glass Ltd., Village Sovli, PS-Rai, Sonapat-131029	HR/2058 PN/6129	2/1959/DLI/Exem./ 89/pt. I/dt. 26-12-84	25-12-87	26-12-87 to 25-12-90 and 26-12-90 to 25-12-93	2/1098/84
4.	M/s. Ballarpur Industries Ltd., Yamuna Nagar, Haryana	HR/12	2/1959/DLI/Exem./ 89/pt. I/dt. 27-03-92	28-2-93	01-3-93 to 20-02-96	2/1291/89
5.	M/s. Rubber Reclaim Company of India Ltd., G.T. Road, Balabgarh- 131021, Sonapat Haryana.	HR/854	2/1959/DLI/Exem./ 89/pt. I/dt. 7-3-94	29-2-92	01-03-92 to 29-02-95	2/5256/84, I I

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employee.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

R. S. KAUSHIK
Central Provident Fund Commissioner

प्रबन्धक, भारत सरकार, मन्त्रालय, करीबानंद बंधारा मंदिर

एवं प्रकाशन निबन्धक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1996

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1996

